

ख़बर संक्षेप

पुलिस और नगर पंचायत ने हटाया पेड़, फिर यातायात हुआ बहाल



फरसगांव। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बीच शुक्रवार रात करीब 8 बजे फरसगांव नगर में NH-30 पर स्टैंडियम के पास अचानक एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया। पेड़ के सड़क के आधे हिस्से में गिरने से मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रहा और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पेड़ गिरने की सूचना मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, सीएमओ मयंक बसंतवानी एवं फरसगांव पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची टीम ने तत्परता से पेड़ को सड़क से हटवाया। इसके बाद मार्ग साफ होने पर NH-30 पर यातायात सामान्य रूप से बहाल हो गया। बारिश के दौरान सड़क पर पेड़ गिरने से कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, हालांकि समय रहते पेड़ हटाए जाने से बड़ी परेशानी टल गई।

बारिश ने खोली पुल की पोल : भंडारावंडी मार्ग पर फिर धंसी सड़क



फरसगांव। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हुई लगातार बारिश के चलते फरसगांव ब्लॉक के ग्राम भंडारावंडी को ब्लॉक मुख्यालय से जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित पुल के किनारे की मिट्टी शनिवार सुबह फिर धंस गई। मिट्टी धंसने से सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर वहां बड़े गड्ढे का रूप ले लिया, जिससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार करीब एक माह पहले भी इसी स्थान पर बड़ा गड्ढा हो गया था। उस समय सरपंच एवं ग्रामीणों ने मुहम डालकर गड्ढे को अस्थायी रूप से पाट दिया था। साथ ही प्रशासन से पुल और सड़क की स्थायी मरम्मत की मांग की गई थी, लेकिन समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण लगातार बारिश में उसी स्थान पर दोबारा सड़क धंस गई। सड़क क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को फरसगांव ब्लॉक मुख्यालय आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की मरम्मत करा दी जाती तो यह स्थिति नहीं बनती। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द से जल्द पुल की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है।

सर्पदंश से महिला की हुई मौत, मर्ग कायम कांकेर। कोरर थानांतर्गत धनेलीकन्हार निवासी मगनी बाई उसेण्डी पति शिलऊ राम का सर्पदंश के कारण 24 सितंबर को मौत हो गया। सीएचसी धनेलीन्हार से अस्पताल मेमो पेश कर पुलिस को बताया गया कि मृतिका को सांप ने काट लिया था। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

विश्व पर्यटन दिवस आज: केशकाल घाटी का विहंगम दृश्य को निहारते ही तन-मन तरोताजा हो उठता है

प्रकृति की गोद में बसा है मांझीनगढ़, यहां पर्यटन के साथ इतिहास और परंपरा का भी होगा दीदार

चिराग उपाध्याय ►► केशकाल

दैनिक जीवन की भागदौड़, व्यस्तता, शोर-गुल, प्रदूषण और उबाऊ जिंदगी से कुछ पल बाहर निकलकर यदि आप हरे-भरे पेड़-पौधों, घने जंगलों और पहाड़ों के बीच प्रकृति की गोद में सुकून और शांति के पल बिताना चाहते हैं, तो आइए केशकाल। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, मनमोहक वादियां और ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहरें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करती हैं। केशकाल की हरी-भरी, सुंदर और सुरम्य घाटी के बीच पहाड़ों को काटकर बनाई गई सर्पीली सड़क से गुजरते हुए रोमांचकारी सफर का आनंद लेते जब आप केशकाल पहुंचते हैं, तो घाटी के शिखर पर स्थित पंचवटी आपका स्वागत करती है। पंचवटी से केशकाल घाटी के विहंगम दृश्य को निहारते ही सफर की सारी थकान मानो पल भर में फुर्त हो जाती है और तन-मन तरोताजा हो उठता है।

पंचवटी के बाद जब आप टाटा मारी पहुंचते हैं, तो यहां का नजारा किसी खुशनुमा टापू से कम नहीं लगता। चारों ओर नजर दौड़ाए, तो दूर-दूर तक केवल हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों की



यही है—मांझीनगढ़।

मांझीनगढ़ की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक सौंदर्य और चारों ओर फैली हरियाली यहां पहुंचने वाले हर व्यक्ति को प्रभावित करती है। खासकर मांझीनगढ़ के अंतिम छोर पर पहुंचकर जब नीचे और दूर-दूर तक फैली पहाड़ियों, जंगलों और वादियों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है, तो आगंतुक कुछ देर के लिए जैसे वहीं ठहर जाता है। प्रकृति की इस अद्भुत छटा को देखते हुए आंखें थकती नहीं और मन मरता नहीं।

श्रृंखलाएं दिखाई देती हैं। ऐसा लगता है मानो समुद्र में दूर तक अथाह जलराशि दिखाई देती हो, उसी तरह यहां आंखों की सीमा तक केवल हरी-



अब चलिए मांझीनगढ़ की ओर ...

इन सभी प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों के बीच फिलहाल आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं मांझीनगढ़ की ओर। केशकाल से विश्रामपुरी मार्ग पर आगे बढ़ने के बाद विश्रामपुरी से लगभग 7-8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम खल्लारी से लगा हुआ विशाल वन क्षेत्र और ऊंचा पहाड़ अपने भौतिक इतिहास और रहस्यों की अनेक कहानियां समेटे हुए है। पहाड़ पर चढ़ने के बाद जब सामने हजारों एकड़ में फैला विशाल समतल भू-भाग दिखाई देता है, तो उसकी नज्दता देखकर हर कोई आश्चर्यचकित रह जाता है।

भरी वादियां नजर आती हैं। पहाड़ियों के ऊपर उमड़ते-घुमड़ते बादल जब किसी चित्रकार की बनाई कलाकृति की तरह अपना रूप बदलते हैं,

तो प्रकृति का यह अनुपम दृश्य देखते ही बनता है। केशकाल अंचल में टाटा मारी के अलावा कुपेमारी, लिंगोदहा और होनहेड जैसे मनमोहक

जलप्रपात भी हैं, जहां बरसात के मौसम में प्रकृति अपने पूरे यौवन पर नजर आती है। वहीं गढ़धनौरा-गोबरहीन शिवधाम जैसी प्राचीन धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहरें आस्था और आध्यात्म से जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। यानी केशकाल में पर्यटन के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को जानने-समझने का भी अवसर मिलता है। मांझीनगढ़ जितना खूबसूरत है, उससे कहीं अधिक रोचक और विस्मयकारी है इससे जुड़ा इतिहास और लोककथाओं का संसार। मांझीनगढ़ के नामकरण से लेकर यहां की प्राचीन संरचनाओं तक, स्थानीय लोगों द्वारा पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाई जाती आ रही अनेक किंवदंतियां आज भी लोगों के कौतूहल का विषय हैं। कहा जाता है कि यहां प्राचीन समय में तालाब खोदे गए थे और पथरों को परत-दर-परत जमाकर किलाबंदी जैसी संरचनाएं बनाई गई थीं। पहाड़ी के किनारे गुफानुमा चट्टान पर लाल रंग से बनी अतिप्राचीन पंजे की छाप को लेकर भी तरह-तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। वहीं बड़े-बड़े कान और बौने आकार के शरीर वाले 'उईका' से जुड़ी लोककथा जब स्थानीय लोग सुनाते हैं, तो मांझीनगढ़ का रहस्य और भी गहरा हो जाता है।

पुंगारपाल क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने पाइप बम डेटोनेटर सहित विस्फोटक सामग्री की बरामद

हरिभूमि न्यूज़ ►► कोण्डागांव

जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत कोण्डागांव पुलिस को एक और सफलता मिली है। थाना पुंगारपाल क्षेत्र में आत्मसमर्पित माओवादियों की निशानदेही पर कोण्डागांव नक्सल सेल, डीआरजी बस्तर फाइटर्स एवं बीडीएस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए नक्सलियों द्वारा डम्प की गई विस्फोटक सामग्री एवं अन्य सामान बरामद किया है। आत्मसमर्पित माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर संयुक्त टीम थाना पुंगारपाल क्षेत्र के तुमड़ीवाल, बांडकापानी, डोंगरीपारा, जुनापानी,



पाइप बम सहित विस्फोटक सामग्री बरामद —

सर्व अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने 4 किलोग्राम वजनी एक पाइप बम, एक इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, 18 पेंसिल बैटरी, एक कुकर तथा 1.7 किलो बाकद बरामद किया। बरामद सामग्री को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित तरीके से अपने कब्जे में लिया।

केंद्र पहुंचाया गया। यहां विकित्सकों की टीम ने समय पर उपचार शुरू किया, जिसके बाद मरीज की स्थिति में सुधार हुआ। बाद जेसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में प्रशासन द्वारा लिए गए त्वरित निर्णय और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयास ने यह सुनिश्चित किया कि संकट में फंसे व्यक्ति तक मदद समय पर पहुंचे।

जलभराव से बिजली ...

डीसी मांझी, चिराग साहू एवं बीएस उरांव सहित विद्युत कर्मियों की टीम बिस्मर बारिश के बीच प्रभावित क्षेत्रों में जुटी रही। जलभराव वाले क्षेत्रों में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति की निगरानी की जा रही है और पानी कम होने के बाद आपूर्ति बहाल करने की कार्रवाई की जा रही है। डीई, एई, जेई को विपे निर्देश : विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षक अभियंता केव्ही मेथु ने बताया कि बारिश के दौरान सुरक्षा दृष्टि बिजली बंद की गई है। इसके लिए डीई, एई, जेई को निर्देश दिया कि पानी हटते बंद बिजली को संचार करें।

बाढ़ पीड़ितों को राशन...

को रेस्क्यू कर राहत शिविर में लाया गया है, जहां भोजन-पानी की व्यवस्था की जा रही है। वहीं अभी भी डेढ़ सौ से अधिक ग्रामीण अपने घरों में फंसे हैं, जो घर छोड़कर नहीं आना चाहते। प्रशासन रेस्क्यू में जुटा है।

जगदलपुर और नगराज...

पेजल, ओआरएस एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है।

राहुल गांधी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी, कांग्रेस ने कार्रवाई के लिए थाने में सौंपा आवेदन



हरिभूमि न्यूज़ ►► फरसगांव

सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के खिलाफ फरसगांव ब्लॉक कांग्रेस कमेट्री अध्यक्ष विजय लांगडे के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने फरसगांव थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शामपुर निवासी मिथलेश देवांगन द्वारा सोशल मीडिया पर राहुल गांधी

के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी प्रसारित की गई है। इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नापजगी है। उन्होंने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो जिला कांग्रेस कमेट्री द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

भंवरदिक नदी का रौद्र रूप, मोहलई पुल के ऊपर बह रहा तेज पानी

हरिभूमि न्यूज़ ►► फरसगांव

क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हुई बारिश के चलते भंवरदिक नदी उफान पर है। शनिवार सुबह करीब 5 बजे से ग्राम मोहलई स्थित पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी बह रहा है। इसके चलते मोहलई-चरकई मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। मोहलई-चरकई मार्ग चरकई से रांधना होते हुए माकड़ी को जोड़ता है। पुल के ऊपर पानी का तेज बहाव होने से ग्रामीणों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण विजय जैन ने लोगों से अपील की है कि पानी का बहाव तेज होने के कारण पुल पार करने का जोखिम न उठाएं और सुरक्षित स्थान पर रहें।



जनगणना में ओबीसी कॉलम जोड़ने कांग्रेस ने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► कोण्डागांव

जनगणना 2026–27 में अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी के लिए पृथक कॉलम शामिल किए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग कोंडागांव की जिलाध्यक्ष भगवती पटेल ने नेतृत्व में राज्यपाल के नाम ज्ञापन कोंडागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना को सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से मांग रखी गई कि जनगणना प्रपत्र में नागरिकों की जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी से संबंधित जानकारी दर्ज करने के लिए स्पष्ट एवं पृथक कॉलम शामिल किया जाए। कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग का कहना है कि इससे संबंधित वर्गों की जनसंख्या एवं सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जुड़े आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे। ज्ञापन में कहा गया कि जातिगत एवं सामाजिक-आर्थिक आंकड़े उपलब्ध होने से समाज के विभिन्न वर्गों की वास्तविक जनसंख्या, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति तथा विकास से संबंधित योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में सहायता मिल सकती है। विशेष रूप से



रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने के दौरान ओबीसी कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवती पटेल, जिला कांग्रेस महामंत्री जेपी यादव, पीसीसी प्रवक्ता शिल्पा देवांगन, कांग्रेस नेता मंगी पटेल, मंडल अध्यक्ष सेवक दिवान सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिछड़ा वर्ग समाज के लिए शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी निर्धारण में प्रामाणिक आंकड़ों को महत्वपूर्ण बताया गया। ओबीसी कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवती पटेल ने कहा कि जनगणना प्रपत्र में जाति एवं पिछड़ा वर्ग ओबीसी का स्पष्ट और पृथक कॉलम जोड़ा जाना चाहिए।

जयकारों के साथ गणपति बप्पा का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज़ ►► फरसगांव

शुक्रवार को नगर में भारी बारिश के बीच भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। लगातार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं और युवाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। विभिन्न गणेश समितियों ने ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुनों के साथ प्रतिमाओं को नगर भ्रमण कराया और भक्तों ने नाचते-गाते भगवान गणेश को विदाई दी। अस्पताल मैदान गणेश समिति, गांधी चौक गणेश समिति, लालबाग का राजा गणेश समिति, नयापारा गणेश समिति, सीटीओ कॉलोनी गणेश समिति, रावणभाटा गणेश समिति सहित अन्य समितियों की प्रतिमाओं

का विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अंगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारों से नगर गूंज उठा। दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुआ विसर्जन का सिलसिला रात 8 बजे तक चलता रहा।

जलभराव के बीच

सुरक्षा व्यवस्था

रही मुस्तेद

पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते तालाबों का जलस्तर बढ़ गया था। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। पुलिस जवानों के साथ नगर



सेना की टीम भी लाइफ जैकेट और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के साथ तैनात रही। जवानों ने श्रद्धालुओं से जलभरव

वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की अपील की। सुरक्षा व्यवस्था के बीच गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल

उत्कृष्टतम सुविधाएं

- मनवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
- कार्मल एवं लीजेरेटिव डिलीवरी
- एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT

- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसेल, सरकान सीजन की सुविधा
- आयुजान कार्ड और CSEB से केशराले उपचार,
- TPA की सुविधा

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडी, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर

9827144197, 9827144777

- न्यू रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

DR. ABHISHEK GAWRI

MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)

Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

पाइल्स

क्षार सूत्र विशेषज्ञ, ₹5000 से ऊपर सफल चिकित्सा, देश-विदेशों में भी प्रचलित।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 वजे तक

९ सटरवती वाल मिल के सामने, गली नं. 3, अशोक विहार, पंडरी रायपुर। ९ मनसा चैम्बर, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, फाफाडी मेन रोड, रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक)

9039050422, 9179455561

खबर संक्षेप

हिंदी हमारी सांस्कृतिक विरासत का सशक्त माध्यम



दंतेवाड़ा। शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दंतेवाड़ा में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग के तत्वावधान में विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यार्थियों ने भाषण, कविता पाठ, निबंध लेखन सहित विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य डॉ. कृष्ण मुरारी प्रसाद ने कहा कि हिंदी हमारी सांस्कृतिक विरासत और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। हमारी भाषा ही नहीं, हमारी संवेदना और सांस्कृतिक हठचान भी है।

चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ का कहर, बस्तर ब्लॉक में जनजीवन अस्तव्यस्त

बस्तर में बाढ़ से कई मुख्य मार्ग बंद मधोता का माटापारा जलमग्न

हरिभूमि न्यूज़ ►► बस्तर

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के प्रभाव से बस्तर ब्लॉक में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। बुधवार से जारी मुसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है। नदी-नाले उफान पर हैं और निचली बस्तियां जलमग्न हो गई हैं। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल पूरी संवेदनशीलता के साथ बचाव एवं राहत कार्य में जुटा है।

भारी बारिश के कारण नेशनल हाईवे-30 पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे सड़क के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की लंबी कतार लग गई है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। सबसे गंभीर स्थिति ग्राम पंचायत मधोता की है, जहां लगातार बारिश से पूरा माटापारा टापू में तब्दील हो गया है। घरों में कई फीट पानी भर गया है। जिला प्रशासन, आपदा

गाजे-बाजे से किया गया गणेश विसर्जन

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडई

बीजापुर जिले के भोपालपटनम तहसील क्षेत्र के लगभग सभी पंचायतों और गांवों में इस वर्ष सार्वजनिक गणेश उत्सव पूरे श्रद्धा, भक्ति और हर्षल्लास के साथ आयोजित किया गया।

विभिन्न पूजा समितियों द्वारा पंडालों में नौ एवं ग्यारह दिनों तक प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की

- पंचायतों और गांवों में धूमधाम से संपन्न हुआ सार्वजनिक गणेश उत्सव

नित्य विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। उत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह और शाम भक्तिमय माहौल में महाआरती का आयोजन हुआ, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाता रहा। पूरा क्षेत्र दिन-रात गणपति बाप्पा मोरया के जयकारों से गुंजायमान रहा।

बाजारपारा की 20 साल पुरानी जर्जर सड़क के निर्माण को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज़ ►► गीदम

गीदम नगर के बाजारपारा क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क के नवनिर्माण का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। रामदेव मोबाइल से पुलिया तक की इस सड़क को नगर पंचायत द्वारा निर्माण के लिए मंजूरी दे दी गई है। लंबे समय से इस सड़क

- मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल

के निर्माण की मांग की जा रही थी, अब मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह क्षेत्र गीदम नगर का घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यहां की यह मुख्य सड़क पिछले दो दशकों से बद्दहाल स्थिति में थी। सड़क पर जगह-

टेंपल स्टेट कमेटी की बैठक

हरिभूमि न्यूज़ ►► दंतेवाड़ा

आगामी अक्टूबर माह में शुरू होने वाले नवरात्र पर्व की तैयारी दंतेश्वरी मंदिर में शुरू कर दी गई है। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर बस्तर की आराध्या देवी माई दंतेश्वरी के दंतेवाड़ा स्थित शक्तिपीठ प्राचीन मंदिर में लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं,

- यातायात प्रबंधन सुरक्षा, पार्किंग और रूट डायवर्सन की रणनी चाक चौबंद की व्यवस्था

भक्तों, पदयात्रियों एवं पर्यटकों को सुविधा देने के लिए एवं तैयारी को लेकर टेंपल स्टेट कमेटी की बैठक का आयोजन आज शंखनी सभाकक्ष में किया गया। बैठक में स्थानीय विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता सहित कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव,



पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन सिंह, एसडीएम लोकांश एल्मा, टम्पल कमेटी के सदस्य, मुख्य पुजारी, जप्रतिनिधिगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में नवरात्रि पर्व के अवसर पर विशेष रूप से यातायात प्रबंधन, चौराहों में लगने वाले अस्थाई दुकानों, चिकित्सा सुविधा व्यवस्था, पेयजल एवं साफ सफाई व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग के

संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में कलेक्टर एव एसपी द्वारा बताया गया कि इस पूर्व वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। अतः इसके लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व तैयारिया सुनिश्चित की जा रही है। जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा है नवरात्रि के प्रारंभ से ही जयसंतान चौक एवं मुख्य

मार्गों पर जब श्रद्धालुओं, आम जनता की भारी भीड़ रहेगी, अतः आमजनों को आवागमन और सुरक्षा में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्पष्ट पार्किंग चिन्हांकन, स्थल बनाए गए है। साइट मैप में पार्किंग स्थलों को स्पष्ट रूप से दर्शाने के लिए उन्हें पार्किंग पार्किंग 1, पार्किंग 2, पार्किंग 3 के रूप में नामांकित किये गए है।

ताकि आम जनता और श्रद्धालुओं को पार्किंग स्थल ढूंढने में कोई असमंजस न हो। इसके अलावा भंडारा आयोजकों को आगामी पर्व (नवरात्रि) के दौरान भंडारा लगाने वाली समितियों और निजी संस्थाओं को अपनी सूची एवं स्थल की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा भंडारा स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए दस्ताने (ग्लव्स) और डस्टबिन के वितरण की जिम्मेदारी नगरपालिका एवं संबंधित विभागों को

दंतेश्वरी मंदिर में नवरात्रि की तैयारी शुरू

सौंपी गई है। चुंकि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य नवरात्रि पर्व के दौरान आने वाले सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा और सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है। श्रद्धालुओं और आम नागरिकों के ठहरने की व्यवस्था के लिए दंतेवाड़ा शहर में पुरानी धर्मशाला, नई धर्म शाला, पुर्नवास बालक छात्रावास, आईटीआई कॉलेज, छात्रावास के अलावा आसपास के ग्राम पंचायतों के सामुदायिक भवनों को भी चयनित किया गया है इसके लिए क्यूआर कोड भी जारी किया गया है जिसका लॉगइन करके श्रद्धालु ठहरने की व्यवस्था की जानकारी ले सकते है बैठक में आसपास के प्रमुख स्थलों के रूट, साइट मैप का प्रदर्षन कर आवश्यक प्रशासनिक दिशा-निर्देश भी दिए गए। मैपिंग व मॉनिटरिंग बैठक के दौरान डिजिटल मैप्स के माध्यम से स्थल-वार यातायात प्रबंधन सुरक्षा, पार्किंग और रूट डायवर्जन की

योजनाओं पर समीक्षा भी की गई। बैठक के अंत में विधायक ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर स्वच्छता पर विशेष मॉनिटरिंग की जानी चाहिए और हमारे दन्तेवाड़ा जिले की धार्मिक छवि को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि विशेष आयोजनों के तहत सड़कों पर निर्धारित स्थलों में ही भण्डारा इत्यादि करने के दौरान प्लास्टिक कचरों का निपटान सही तरीकों से हो।

इसके साथ ही बैठक में टेंट पंडाल, प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम, धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम, ज्योति कलष प्रज्वलन, दुकानों हेतु स्थल का चयन ऑबटन, श्रद्धालुओं के द्वारा सामान्य एवं विशेष दर्शन, पदयात्रियों के सुविधा हेतु अन्य जिलों से पत्राचार, मावली परघाव हेतु सुरक्षा बल की व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर भी विशेष चर्चा हुई।

मोपेड व मोबाइल छोड़ महानदी में अज्ञात ने लगाई छलांग रेस्क्यू जारी, सुराग जीरो



हरिभूमि न्यूज़ ►► कांकेर

सरंगपाल स्थित महानदी पुल से शनिवार को एक ग्रामीण द्वारा नदी में छलांग लगाने का मामला सामने

- पुलिस व नगर सेना टीम खबर मिलते ही चलाया रेस्क्यू अभियान

आया है। ग्रामीण को नदी में कूदते हुए देखने वाले प्रत्यक्षदर्शी ने तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी। जा न का री मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीण की तलाश शुरू कर दी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर सेना की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। नदी में ग्रामीण की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी

अनुसार सरंगपाल पुल के पास मोपेड क्रमांक सीजी 19 बीएस 0168 खड़ी थी और उसमें चाबी लगी हुई थी और मोबाइल भी था। पुलिस ने मोबाइल से खोजबीन किया तो उसके बेटे से संपर्क हुआ, उसने पुलिस को बताया कि मेरे पिता किरगोली निवासी रूप सिंह नेताम 26 सितंबर को सुबह काम के लिए सालेटोला गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि वाहन मालिक ने सरंगपाल स्थित महानदी के पुल छलांग लगा दी। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार सुबह करीब 11 बजे एक ग्रामीण अपनी मोपेड से सरंगपाल स्थित मननदी पुल पर पहुंचा था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी मोपेड और मोबाइल फोन पुल पर रखा और इसके बाद नदी में छलांग लगा दी।

शासकीय कार्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों में चलाया गया स्वच्छता अभियान



बड़े बचेली। सेवा संकरूप अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बड़े बचेली द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कार्यालय परिसर, आसपास के क्षेत्रों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की साफ-सफाई की गई तथा अनावश्यक कचरे को हटाकर परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया। इस अवसर पर स्वच्छता कमियों द्वारा नियमित सफाई के साथ-साथ गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने तथा स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी विमाने और अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित न रहकर दैनिक जीवन का हिस्सा बने और सभी नागरिक स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ नगर के निर्माण में सक्रिय सहभागिता विभाएं।

नागरिक को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े

नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने कहा कि नगर के विकास के लिए उनकी प्राथमिकता है कि जिस वर्ग में जिस कार्य की सबसे अधिक आवश्यकता है, उसे पहले पूरा किया जाए। उन्होंने कहा, बाजारपारा की सड़क लंबे समय से लोगों की मूलभूत जरूरत बनी हुई थी। हमारा प्रयास है कि नगर के किसी भी नागरिक को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान न होना पड़े। सड़क को मंजूरी मिलना केवल कागजी प्रक्रिया नहीं है, अब हमारा लक्ष्य है कि निर्माण कार्य च्व गुणवत्ता और मजबूती के साथ पूरा हो ताकि यह सड़क अगले कई वर्षों तक लोगों के लिए टिकाऊ बनी रहे। लगभग दो दशकों से इस सड़क के बनने का इंतजार कर रहे बाजारपारा के निवासियों के लिए यह मंजूरी किसी राहत से कम नहीं है। स्थानीय व्यापारियों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। अब क्षेत्र के लोगों को सड़क निर्माण का कार्य जल्द शुरू होने का बेसबी से इंतजार है।



और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इस सड़क के लिए वर्ड क्रमांक 9 और 10 के पार्श्वों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ड 9 के पार्श्व सूरज सिंह ठाकुर और वर्ड 10 की पार्श्व हीना रिजवी ने अपने वर्ड

के लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पंचायत की बैठकों में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। पार्श्वों के प्रयासों और अध्यक्ष की पहल के बाद अब इस बहुप्रतीक्षित सड़क को मंजूरी मिल गई है।

एनएमडीसी अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

हरिभूमि न्यूज़ ►► किरंदुल

एनएमडीसी के अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट का बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल परिसर के फुटबॉल मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट में एनएमडीसी की किरंदुल,

- किरंदुल ने दोहिमले को 3-0 से हराया, नगरनार ने बचेली को 3-0 से दी मात

बचेली, नगरनार एवं दोहिमले परियोजनाओं की चार टीमों हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट का उद्घाटन रवींद्र नारायण, अधिशासी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने किया। इस अवसर पर किशन आहूजा, परियोजना प्रमुख वर्क्स तथा जेसी दास, सीजीएम प्रोडक्शन एवं अध्यक्ष, स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी सहित एनएमडीसी किरंदुल के जीएम एचआर सुधांशु वामें समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा नोमेश्व राव, अध्यक्ष एवं प्रदीप नामदेव, सचिव, एसकेएमएस, एससी एसटी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बीएल ताराम तथा स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी के सभी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में एनएमडीसी कार्मिक, उनके परिवारजन एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। खेल मैदान में दर्शकों के उत्साह ने आयोजन के माहौल को और जीवंत बना दिया। मोहम्मद तनवीर जावेद, डीजीएम मानव संसाधन एवं सेक्रेटरी, स्पोर्ट्स एडवाइजरी कमेटी, बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने स्वागत संबोधन किया। कार्यक्रम का संचालन राजनाथ ने किया। टूर्नामेंट के पहले दिन दो



मुकाबले खेले गए। उद्घाटन मैच में बैलाडीला लौह अयस्क खदान, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने दोहिमले आयरन और माइंस को 3-0 से हराया किरंदुल की ओर से अमित प्रसाद, रंजीत और रविंद्र साहू ने एक-एक गोल किया। दिन के दूसरे मुकाबले में एनएमडीसी स्टील लिमिटेड ने बैलाडीला लौह अयस्क खदान, बचेली कॉम्प्लेक्स को 3-0 से पराजित किया। अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट एनएमडीसी की विभिन्न परियोजनाओं एवं इकाइयों के कार्मिकों को खेल के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने, टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। आयोजन के माध्यम से एनएमडीसी अपने कार्मिकों के बीच खेल, फिटनेस और सौहार्दपूर्ण सहभागिता की भावना को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

80 हजार के डिंब समूह पर 70 हजार की सरकारी सब्सिडी, 10 रेशम पालकों को मिला सीधा लाभ

हरिभूमि न्यूज़ ►► बीजापुर

जिले के मिन्कापल्ली क्षेत्र में तसर रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण परिवारों की आय के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। योजना के तहत 10 तसर रेशम पालक हितग्राहियों को कुल 5,000 स्वस्थ डिंब समूह वितरित किए गए। तसर रेशम उत्पादन के लिए ये स्वस्थ डिंब समूह बीएसएमटीसी वर्म, आंध्र प्रदेश से प्राप्त किए गए हैं। इन डिंब समूहों का कुल मूल्य लगभग 80 हजार है, जिसमें शासन द्वारा 70 हजार की सब्सिडी प्रदान की गई। हितग्राहियों को इसके लिए केवल 10 हजार का अंशदान करना पड़ा। इससे ग्रामीण रेशम पालकों को कम लागत में गुणवत्तापूर्ण रेशम उत्पादन के अवसर मिला है। स्वस्थ डिंब समूह उपलब्ध होने से तसर रेशम पालकों



को गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन में मदद मिलेगी। इससे उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार के साथ ग्रामीण परिवारों के लिए स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। योजना से लाभान्वित कामेश्वर ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि सब्सिडी मिलने से तसर रेशम पालन के लिए आवश्यक सामग्री प्राप्त करना आसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ डिंब समूह से बेहतर गुणवत्ता का कोसा उत्पादन करने में

मदद मिलेगी, जिससे अतिरिक्त आमदनी बढ़ाने और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अवसर मिलेगा। मिन्कापल्ली क्षेत्र में तसर रेशम उत्पादन को प्रोत्साहन देने वाली यह पहल ग्रामीण हितग्राहियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय का साधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शासन की सहायता से रेशम पालक अब बेहतर गुणवत्ता, अधिक उत्पादन और अतिरिक्त आमदनी की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

खबर संक्षेप

बढ़ते जलस्तर से जनजीवन प्रभावित सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत आपूर्ति बंद

जगदलपुर। चक्रवाती तूफान अर्नब के कारण अंचल में हुई मूसलाधार बारिश के चलते क्षेत्र में जलस्तर तेजी से बढ़ गया है, जिससे बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। संभावित दुर्घटनाओं को टालने और आम नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्युत वितरण कंपनी ने आपातकालीन शटडाउन लागू कर दिया है। छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के जगदलपुर शहर के कार्यपालन अभियंता नंद कुमार भगत ने बताया कि इस एहतियाती कदम के तहत जगदलपुर में 11 केवी हाउसिंग बोर्ड फीडर, 11 केवी गणपति फीडर और 11 केवी पथरागुड़ा फीडर से जुड़ी विद्युत आपूर्ति को तत्काल प्रभाव से पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इस आपातकालीन कदौती के कारण शहर के बड़े हिस्से में जनजीवन प्रभावित हुआ है। हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र, 440 प्लेट्स और उसके नजदीकी इलाकों सहित खपराभट्टी, आमागुड़ा चौक से एनएमडीसी चौक, गणपति रिसॉर्ट, चिमनी भट्टी और गिल बाड़ा तक का पूरा इलाका बिजली न होने से प्रभावित है। इसके साथ ही सुमम, रिलायंस और सोढ़ी पेट्रोल पंप क्षेत्र तथा लालबाग, बैंक कॉलोनी और वीआईपी कॉलोनी जैसे प्रमुख रिहायशी इलाके में भी इस समय पूरी तरह विद्युत आपूर्ति बंद है।विद्युत वितरण कंपनी की तकनीकी टीम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार जैसे ही जलस्तर में कमी आएगी और सुरक्षा की दृष्टि से हालात सामान्य पाए जाएंगे, प्रभावित क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों को जलभराव वाले स्थानों में बिजली के खंभों, तारों और ट्रांसफार्मरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा इस आपात स्थिति में सहयोग और धैर्य रखने की अपील की गई है।

भाजपा ने पं.दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें किया याद



जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को प्रखर राष्ट्र्चिंतक, एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता, भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें याद किया। जिला कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी में कार्यकर्ताओं ने उनका स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। वक्ताओं ने पं.दीनदयाल उपाध्याय के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी को संबोधित करते हुये मुख्य वक्ता डा. सुभाऊ कश्यप ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अपने विचारों और सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र के समग्र विकास की ऐसी दृष्टि प्रस्तुत की, जिसके केंद्र में समाज का अंतिम व्यक्ति है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा।कश्यप ने कार्यकर्ताओं से पं. दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों को आत्मसात करने कहा।पूर्व विधायक संतोष बाफना ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।

तीसरे दिन भी 190 घर जलमग्न, पानी के बीच गुजर रही जिंदगी

हरिभूमि न्यूज

»

जगदलपुर

शहर के धरमपुरा रोड स्थित पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बारिश के तांडव का असर तीसरे दिन शनिवार को भी देखने को मिला। कॉलोनी के करीब 190 घरों और सड़कों में अब भी पानी भरा हुआ है, जिसके कारण रहवासियों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। घरों में पानी घुसने से लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित है। स्थिति यह है कि कई परिवारों को पेयजल तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और भोजन के लिए होटल से खाना मंगाना पड़ रहा है। शनिवार सुबह निगम के कार्यपालन अभियंता गोपाल भारद्वाज और पार्षद ने कॉलोनी पहुंचकर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर हालात देखे, लेकिन पानी निकासी की तत्काल व्यवस्था नहीं हो सकी। कॉलोनी की सड़कों और घरों के आसपास पानी भरा होने के कारण लोगों को ज़रूरी काम से बाहर निकलने के लिए भी घुटनों और कमर तक भरे

पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में अब तक नहीं उतरा पानी



जलमग्न मार्गों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे जवान

बिना थके बिना रुके मोर्चे पर सुकमा पुलिस

लीलाधर राठी

»

सुकमा

जिले में 24 सितंबर से लगातार हो रही भारी बारिश ने नदी-नालों और पुल-पुलियों का जलस्तर बढ़ा दिया है। कई प्रमुख मार्गों पर पानी पुल-पुलियों के ऊपर से बह रहा है और आवागमन प्रभावित हुआ है। ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात में सुकमा पुलिस 24×7 ग्राउंड जीरो पर मुस्तैद रहकर नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रही है। जलमग्न मार्गों पर पुलिस की

■ यातायात नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा पर किया फोकस

तैनाती, बैरिकेडिंग, यातायात नियंत्रण और लगातार पेट्रोलिंग के जरिए संभावित दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के मार्गदर्शन में जिले की पुलिस टीमों को बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय किया गया है। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिव्की के नेतृत्व में 3 एसडीओपी, एक डीएसपी ट्रैफिक, 7 थाना प्रभारियों और 200 से ज्यादा पुलिस जवानों द्वारा लगातार मैदानी स्थिति की निगरानी की जा रही है। अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस बल उन स्थानों पर विशेष रूप से तैनात है, जहां पानी का तेज बहाव यात्रियों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन सकता है। बारिश के कारण सुकमा-जगदलपुर



पनएच-30 पर गीदमनाला पुल एवं सीआरपीएफ डीआईजी कार्यालय के समीप जलभराव से यातायात प्रभावित हुआ है। यहां पुलिस टीम मौके पर तैनात रहकर लोगों को जोखिम वाले मार्ग से गुजरने से रोक रही है। इसी तरह सुकमा-दोरनापाल मार्ग के दुब्जाटोटा और बोदीगुड़ा पुल पर तेज बहाव के चलते यातायात को नियंत्रित किया जा रहा है।दोरनापाल-एरांबोर-कौंटा मार्ग पर इंजरम एवं कीखलगुड़ा पुलिसिया में पानी बढ़ने के बाद पुलिस द्वारा आवागमन बंद

कराया गया है। कौंटा-मोढ़ मार्ग पर सीमावर्ती क्षेत्र में भी पुलिस बल की तैनाती कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पूसपाल-ओडिशा मार्ग पर चक्का-बुक्का और शबरी नदी का जलस्तर बढ़ने से मार्ग प्रभावित है। यहां बैरिकेडिंग कर लोगों को खतरे वाले हिस्से में जाने से रोका जा रहा है। पूसपाल क्षेत्र के कोकराला पुल तथा छिंदवाढ़-गंजेनार मार्ग पर भी पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। बाढ़ के दौरान पुलिस की भूमिका केवल रास्ते बंद कराने

तक सीमित नहीं है। जलभराव वाले क्षेत्रों में फंसे यात्रियों और राहगीरों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में भी पुलिस जवान सक्रिय हैं। लगातार पेट्रोलिंग कर पुलिस अधिकारी मौके की स्थिति का जायजा ले रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार तत्काल सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। एसपी मयंक गुर्जर के निर्देशन में रोहित शाह और मनोज तिव्की की निगरानी में पुलिस की यह सक्रियता बताती है कि आपदा की स्थिति में कानून-व्यवस्था के

साथ-साथ नागरिक सुरक्षा भी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। दिन हो या रात, जलस्तर बढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस टीमें संवेदनशील स्थानों पर पहुंचकर मोर्चा संभाल रही हैं। सुकमा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि जलमग्न पुल-पुलियों को पार करने का प्रयास न करें। तेज बहाव वाले स्थानों पर पैदल या वाहन से जाने का जोखिम न उठाएं तथा पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। जलस्तर सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा से बचने की भी अपील की गई है।

लगातार भारी बारिश के चलते जिले में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने और कई मार्गों पर पानी आने की स्थिति को देखते हुए सुकमा पुलिस ने जनहानि रोकने के उद्देश्य से व्यापक सुरक्षा एवं रेस्क्यू अभियान चलाया। संवेदनशील स्थानों के साथ-साथ अंदरूनी गांवों में भी पुलिस बल को लगातार तैनात रखा गया। कुम्हारगांव, भांसीगांव, ओलेर सहित कई अंदरूनी क्षेत्रों में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों के साथ पुलिस जवान रातभर मौके पर मुस्तैद रहे। जहां भी लोगों के फंसे होने अथवा तत्काल सहायता की आवश्यकता की सूचना मिली, वहां पुलिस एवं रेस्क्यू टीमों ने समन्वय के साथ कार्रवाई की। पुलिस की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना और किसी भी प्रकार की जनहानि को रोकना रही।

दूसरे दिन भी पानी में डूबा पीडब्ल्यूडी राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यालय परिसर



हरिभूमि न्यूज

»

जगदलपुर

शहर के लालबाग स्थित लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग एवं अनुविभागीय कार्यालय परिसर शनिवार को दूसरे दिन भी जलभराव की चपेट में रहा। परिसर में पानी भरा होने के कारण अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय पहुंचने और आवागमन में परेशानी का

सामना करना पड़ा। लगातार बारिश के चलते कार्यालय परिसर में जमा पानी अब तक नहीं निकल सका है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बताया कि कार्यालय परिसर में भरे पानी को हटने का इंतजार किया जा रहा है। पानी कम होने के बाद ही परिसर में सामान्य स्थिति बहाल हो सकेगी। लगातार जलभराव के कारण कार्यालयीन कार्यों पर भी असर पड़ रहा है।

3 दिन की बारिश के बाद निकली धूप, बाढ़ का संकट बरकरार

हरिभूमि न्यूज

»

जगदलपुर

तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद शनिवार सुबह मौसम खुला और धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली। शहर की सड़कों और घरों में जमा पानी अधिकांश स्थानों से निकल गया लेकिन बारिश के बाद जगह-जगह जमा गंभीरी और जलभराव से संक्रमण व बीमारियों का खतरा बना हुआ है। नदी किनारे के घरों में इंद्रावती नदी का पानी पहुंच गया। डोंगाघाट क्षेत्र में कई घरों में पानी भर गया, जिसके बाद प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों में पहुंचाया। गुरु गोविंद सिंह वार्ड में भारी बारिश के बीच एक मकान गिरने की सूचना है। मौके पर पहुंचे पार्षद संग्राम राणा ने प्रभावित परिवार को मुआवजा दिलाने की बात कही।

छेपड़ागुड़ा में 55 परिवार बाढ़ में फंसे

छेपड़ागुड़ा क्षेत्र में करीब 55 परिवार बाढ़ के पानी के बीच फंसे हुए हैं। शनिवार



दोपहर 2 बजे तक ग्रामीणों के अनुसार प्रशासनिक अमला मौके पर नहीं पहुंचा था, जिससे प्रभावित परिवारों में चिंता बनी रही। ग्रामीणों ने राहत और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की मांग की है।सोनारपाल क्षेत्र में सड़क पर पानी नहीं उतरने के कारण यातायात प्रभावित रहा। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने रायपुर जाने वाले वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की है। वाहनों को बस्तर से

इच्छापुर, नंदपुरा और भानपुरी होते हुए रायपुर भेजा जा रहा है।

चित्रकोट मार्ग बंद, खेतों में तीन से चार फीट पानी

इंद्रावती नदी का पानी जनजातीय पार्क पथरागुड़ा तक पहुंच गया है। वहीं चित्रकोट मार्ग भी बंद बताया गया है। नदी का पानी आसपास के खेतों में तीन से चार फीट तक भर जाने से फसलों को भारी

नुकसान हुआ है। किसानों की खड़ी फसल पूरी तरह चौपट होने की स्थिति में है।इंद्रावती नदी के बढ़े जलस्तर को देखने के लिए शनिवार को नए पुल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके चलते कुछ समय के लिए यातायात बाधित होकर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को व्यवस्थित कर यातायात सामान्य कराया।

रविवार को मौसम खुलने की उम्मीद

लगातार बारिश के बाद शनिवार को धूप निकलने से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी मौसम साफ रहने और धूप निकलने की संभावना है। मौसम खुलने से जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी कम होने तथा जनजीवन के धीरे-धीरे सामान्य होने की उम्मीद है। हालांकि इंद्रावती नदी के बढ़े जलस्तर के कारण नदी किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों में अभी भी सतर्कता ज़रूरी है।

पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

पेयजल और भोजन का संकट

लगातार जलभराव के कारण रहवासियों के सामने पेयजल की समस्या भी खड़ी हो गई है। पानी से घिरे घरों में रहने वाले परिवारों को दैनिक जरूरतों के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई लोग घर में खाना नहीं बना पा रहे हैं, जिसके चलते होटल से भोजन मंगाकर खाने की स्थिति बनी हुई है।

बचाव कार्य में जुटी निगम की टीम

इस संबंध में महापौर संजय पांडेय ने बताया कि लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए निगम की टीम बचाव एवं राहत कार्य में जुटी हुई है। प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण



हरिभूमि न्यूज

»

जगदलपुर

जिले में लगातार भारी बारिश के चलते उपजे बाढ़ के हालातों के बीच प्रशासनिक अमला अलर्ट होकर प्रभावितों को राहत प्रदान करने के लिए जुटा है। कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने दूसरे दिन भी प्रभावित इलाकों का भ्रमण कर जमीनी स्थिति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने डोंगाघाट और आसना समेत जलभराव से प्रभावित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का मुआयना किया। मार्गों पर जलभराव और अवरोधों के बावजूद प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

बाढ़ प्रभावितों के लिए आश्रय स्थलों में भोजन-पानी की नि:शुल्क व्यवस्था

जगदलपुर। लगातार बारिश के बाद आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए नगर निगम की ओर से शहर के विभिन्न स्थानों पर आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इन आश्रय स्थलों में प्रभावित लोगों के रुकने के साथ ही भोजन, पानी और नाश्ते की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। बारिश थमने और जलस्तर कम होने के बाद शनिवार को अधिकांश लोग अपने घरों की ओर लौट गए, लेकिन नदी तट और निचले इलाकों में रहने वाले कई परिवार अभी भी आश्रय स्थलों में रुके हुए हैं।बाढ़ प्रभावितों के लिए पनारापारा स्कूल, भैरमदेव स्कूल, कन्या शाला, उत्कल समाज मठ, भगत सिंह स्कूल लालबाग, रैन बसेरा नया बस स्टैंड और महात्मा गांधी स्कूल सहित अन्य स्थानों पर व्यवस्था की गई है। यहां प्रभावित परिवारों को भोजन-पानी के साथ सुबह-शाम नाश्ता भी उपलब्ध कराया जा रहा है।भैरमदेव कन्या स्कूल में ठहरे बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि भोजन और पानी की व्यवस्था ठीक है, लेकिन सोने और बिछने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से परेशानी हो रही है।



online Booking-www.tripuryatra.com

सुविधा-ज्याला सबसे कम राशि पर

स्पर्धाल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि - स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

संपर्क करें:- 9165-411411

RAIPUR D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KOREBA, Shop No. J01,J02,J03 S.S. Plaza, Power House Road

3 वर्षीय बच्ची अब सुन सकती है, जाने लगी है स्कूल चिरायु योजना और एम्स ने लौटाई मासूम की आवाज

हरिभूमि न्यूज

»

जगदलपुर

बस्तर जिले के एक साधारण परिवार की नन्ही बेटी परिक्रमा साहू के जीवन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की 'चिरायु' टीम और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के साझा प्रयासों से एक नई संवेरा आया है। जन्म से ही सुनने और बोलने की क्षमता से वंचित परिक्रमा अब न केवल हर ध्वनि को सुन और पहचान पा रही है, बल्कि एक सामान्य बच्चे की तरह खुशहाल जीवन जीते हुए स्कूल भी जाने लगी है। यह सुखद और प्रेरणादायक बदलाव अघनपुर निवासी अनूप साहू के परिवार में देखने को मिला है। जब परिक्रमा मात्र तीन वर्ष की थी, तब चिरायु



टीम नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के सिलसिले में स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची थी। वहां टीम के सदस्यों ने देखा कि एक मासूम बच्ची एक कोने में बिल्कुल शांत और अपने आप में खोई बैठी है। बातचीत करने की कोशिश पर जब बच्ची की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से इस संबंध में पूछताछ की गई। कार्यकर्ता ने जानकारी दी कि यह बच्ची जन्म से

ही न तो कुछ सुन पाती है और न ही बोल पाती है। इसके बाद तत्काल बच्ची के माता-पिता को बुलाया गया। बातचीत के दौरान परिजनों ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि बच्ची जन्मजात बाधिरता से ग्रसित है और वे इसे अपनी नियति मानकर उसके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाने का प्रयास कर रहे थे। चिरायु टीम ने माता-पिता को ढांडस बंधाया और समझाया कि आधुनिक चिकित्सा और सर्जरी के जरिए इस जन्मजात समस्या का पूरी तरह समाधान संभव है तथा ऑपरेशन के बाद बच्ची सामान्य बच्चों की तरह सुन सकेगी।परिजनों की सहमति के बाद बच्ची को तुरंत महारानी जिला अस्पताल

जगदलपुर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई लाया गया। यहां बच्ची की आवश्यक 'बेरा' जांच की गई और विशेषज्ञ उपचार के लिए उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर रेफर किया गया। एम्स के चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी की सलाह दी, परंतु सर्जरी से पूर्व लगभग एक वर्ष तक अनिवार्य ऑडियो थेरेपी आवश्यक थी, जिसे जिला शीघ्र हस्तक्षेप इकाई जगदलपुर के माध्यम से पूरी निष्ठा के साथ संपन्न कराया गया। आवश्यक प्रारंभिक प्रक्रियाएं पूर्ण होने के बाद 1 अप्रैल 2024 को एम्स रायपुर में बच्ची का सफल कॉकलियर इम्प्लांट ऑपरेशन किया गया।

मित्तल हॉस्पिटल

त्वरित, सरल और कैशलेस सुविधा द्वारा

आयुष्मान योजना के अंतर्गत

नि:शुल्क डायलिसिस

Dr Abhishek Tiwari

DrNB (Nephrology)

पूर्णकालिक सेवा उपलब्ध

अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनें

अनुभवी नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा देखभाल

होली क्रॉस स्कूल के सामने, अवंति बाई चौक, पंडरी, रायपुर

फोन: 93430 79151, 91313 99570

Deepak Ad./1191